



नवसर्जन संस्कृति

RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01

अंक : 171

दि. 26.03.2026,

गुरुवार

पाना : 04

किंमत : 00.50 पैसा

नई उड़ान, नई रफ्तार: कैबिनेट के बड़े फैसलों से बदलेगा भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर और भविष्य

नई दिल्ली। देश के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से केंद्रीय कैबिनेट ने कई ऐसे ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जो आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी दिशा को पूरी तरह बदल सकते हैं। नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस अहम बैठक में हवाई संपर्क, डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़े निवेशों को मंजूरी दी गई। इन फैसलों का सबसे बड़ा फायदा आम नागरिकों को मिलेगा, खासकर उन लोगों को जो अब तक बुनियादी सुविधाओं से दूर रहे हैं। सरकार ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत बनाने के लिए UDAN योजना के नए चरण को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत देशभर में 100 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे। खास बात यह है कि इनमें कई ऐसे एयरस्ट्रिप्स को शामिल किया जाएगा जो वर्षों से बंद या अनुपयोगी पड़ी थीं। इस कदम से टियर-2 और टियर-3 शहरों को सीधे हवाई नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। अब छोटे शहरों का नागरिक

भी कम समय और कम लागत में हवाई यात्रा कर सकेगा, जो अब तक केवल बड़े शहरों तक सीमित था। इसके साथ ही सरकार ने पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों के लिए विशेष योजना के तहत 200 नए हेलीपैड्स बनाने को मंजूरी दी है। इसके लिए लगभग 28,840 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। हिमालयी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत जैसे इलाकों में यह पहल जीवन रेखा साबित होगी। इन क्षेत्रों में अक्सर सड़क और रेल संपर्क सीमित होता है, जिससे आपातकालीन सेवाओं, चिकित्सा सुविधाओं और पर्यटन को भारी नुकसान होता है। नए हेलीपैड्स के जरिए न केवल लोगों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि आपदा प्रबंधन और रक्षा सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। डिजिटल सुरक्षा और इमिग्रेशन सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए सरकार ने IVFRT योजना के तीसरे चरण को 2031 तक बढ़ा दिया है। इस योजना के तहत देश के सभी इमिग्रेशन चेक पोस्ट्स को सॉफ्ट-टैक बनाया जाएगा। अब यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आइरिस स्कैनिंग और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग



किया जाएगा। एयरपोर्ट्स पर 'सेल्फ-सर्विस कियोस्क' लगाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को लंबी कतारों में खड़े रहने की जरूरत नहीं होगी। इससे न केवल समय

की बचत होगी, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था भी कहीं अधिक मजबूत और सटीक हो जाएगी। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी भारत ने

एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश ने अपनी जीडीपी के मुकाबले उत्सर्जन तीव्रता में 36% की कमी दर्ज की है, जो कि 2030 तक का लक्ष्य था, लेकिन

इसे 2025 में ही हासिल कर लिया गया। यह उपलब्धि पेरिस समझौते के तहत भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार

ने अब 2030-2035 के लिए नए और अधिक महत्वाकांक्षी पर्यावरण लक्ष्य तय किए हैं। यह कदम न केवल भारत को वैश्विक स्तर पर एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण भी सुनिश्चित करेगा। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार ने पहले ही BHAVYA योजना को मंजूरी दी थी, जिसके तहत देशभर में 100 नए इंडस्ट्रियल पार्क बनाए जाएंगे। 33,660 करोड़ की लागत से बनने वाले इन पार्कों में उद्योगों को बिजली, पानी, सड़क और भूमि जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं पहले से उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे निवेशकों को उद्योग लगाने में आसानी होगी और लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यह योजना भारत को एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए नेशनल हाईवे-927 के निर्माण को मंजूरी दी है। बाराबंकी से बहराइच तक बनने वाला यह 4-लेन एक्सप्रेस-कॉन्क्रीट हाईवे लगभग 6,969 करोड़ की लागत से तैयार होगा। इस

हाईवे के बनने से न केवल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि व्यापार, पर्यटन और कृषि क्षेत्र को भी बड़ा लाभ मिलेगा। यह सड़क परियोजना उत्तर प्रदेश के विकास को नई गति देगी और आसपास के जिलों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी। इन सभी फैसलों का एक साझा उद्देश्य है—देश के हर कोने तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करना। चाहे वह हवाई यात्रा हो, डिजिटल सुरक्षा हो, पर्यावरण संरक्षण हो या औद्योगिक विकास—हर क्षेत्र में सरकार ने एक समग्र और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया है। इन योजनाओं से न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि आम नागरिक के जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि ये फैसले भारत को एक नए युग में प्रवेश कराने वाले हैं, जहां आधुनिक तकनीक, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और सतत विकास एक साथ आगे बढ़ेंगे। आने वाले वर्षों में जब ये योजनाएं धरातल पर उतरेंगी, तब भारत की तस्वीर पूरी तरह बदली हुई नजर आएगी—एक ऐसा भारत, जहां हर नागरिक को समान अवसर, बेहतर सुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य मिलेगा।

सुरत: अवैतिस डेवलपर्स घोटाला – बुकिंग के पैसों की सुरक्षा पर सवाल

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सुरत। वर्ष 2002 में, सरकार ने कई वित्तीय कंपनियों, बैंकों आदि को दिए गए ऋण की वसूली के लिए प्रतिभूति हित अधिनियम (समर्पण अधिनियम 2002) को मंजूरी दी। इस मंजूरी के आधार पर, कभी-कभी बैंक या वित्तीय कंपनियों संपत्तियों के संबंध में बहुत गलत निर्णय ले लेती हैं, जिससे ऋण लेने वाले व्यक्ति को नुकसान होता है। लेकिन कुछ मामलों में, ऋण लेने वाले को लाभ भी मिलता है। ऐसे लाभ उदाहरण के तौर पर, एक निजी बिल्डर किसी भूस्वामी से कुछ पैसे देकर और उससे दस्तावेज लेकर निजी जमीन खरीद लेता है। यदि उनके साथ कोई परियोजना शुरू की जाती है, तो उन दस्तावेजों में कोई समस्या नहीं होती, जिनके बारे में भूस्वामी को कोई जानकारी नहीं होती। इन दस्तावेजों के आधार पर बिल्डर अपने प्लान को मंजूरी दिलवा लेते हैं। और ऐसे प्लान को मंजूरी मिलने के बाद, विज्ञापन बोर्ड लगाए जाते हैं और बुकिंग की जाती है। और ऐसी बुकिंग के आधार पर, बुकिंग करने वाले व्यक्ति से 30% से 40% राशि लेी जाती है। इसके बाद, परियोजना के लिए बैंकों से बड़ा ऋण लिया जाता है। और इस ऋण के आधार पर एक डॉचा तैयार किया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेसर्स अवैतिस ड्रीम्स होम्स एलएलपी



की सिस्टम परियोजना, वेसु रोड, सुरत और मेसर्स अवैतिस डेवलपर्स एलएलपी की प्लॉट संख्या 83, सर्वे संख्या 71/2, ब्लॉक संख्या 75/बी, टीपी एस संख्या 19, पर्वत मागोब 6130 वर्ग मीटर, ग्राम पर्वत, जिला सुरत में गिरवी रखी गई परियोजना के साझेदार शंकरलाल छगनलाल शाह, वापरल शंकरलाल शाह, अंकित शंकरलाल शाह आदि ने एक्सबीआई बैंक, माजुरा गेट, सुरत से मूल्यवान जमीन दिखाकर उन पर योजना बनाई और करोड़ों रुपये का ऋण लिया। इनमें से, बैंक ने सरफसाई अधिनियम के तहत 17,67,50,319 रुपये के बकाया के लिए मामला दर्ज किया है और इसी अधिनियम के तहत संपत्ति जब्त कर ली

है। फिलहाल यह तय नहीं है कि इस संपत्ति की नीलामी कब होगी। लेकिन अब सवाल यह उठता है कि क्या बैंक अपना पैसा वसूलने के लिए संपत्ति बेचेगा? लेकिन उस संपत्ति का कितना हिस्सा वेसु रोड, सुरत और मेसर्स अवैतिस डेवलपर्स एलएलपी को प्लॉट संख्या 83, सर्वे संख्या 71/2, ब्लॉक संख्या 75/बी, टीपी एस संख्या 19, पर्वत मागोब 6130 वर्ग मीटर, ग्राम पर्वत, जिला सुरत में गिरवी रखी गई परियोजना के साझेदार शंकरलाल शाह, वापरल शंकरलाल शाह आदि ने एक्सबीआई बैंक, माजुरा गेट, सुरत से मूल्यवान जमीन दिखाकर उन पर योजना बनाई और करोड़ों रुपये का ऋण लिया। इनमें से, बैंक ने सरफसाई अधिनियम के तहत 17,67,50,319 रुपये के बकाया के लिए मामला दर्ज किया है और इसी अधिनियम के तहत संपत्ति जब्त कर ली

क्षेत्रफल 6130 वर्ग मीटर, ग्राम पर्वत, जिला सुरत, मेसर्स अवैतिस डेवलपर्स एलएलपी के नाम पर है। यह संपत्ति पहले अवैतिस डेवलपर्स पार्टनरशिप फर्म के नाम से जानी जाती थी। इस प्रकार, बुकिंग कराने वाले शंकरलाल छगनलाल शाह, अंकित शंकरलाल शाह और वापरल शंकरलाल शाह ने बुकिंग कराने वालों को जानबूझकर धोखा दिया है। सरकार को ऐसी संपत्तियों की बिक्री या नीलामी रोकनी चाहिए। इन बुकिंगों में शामिल लोगों ने अपने द्वारा दर्ज किए गए नोटों या डायरियों के आधार पर लाखों रुपये का निवेश किया है। सरकार को उनकी शिकायतें सुनी चाहिए और उन्हें न्याय दिलाया जाना चाहिए। बिल्डरों द्वारा हस्ताक्षरित नोटों या डायरियों की हस्तलेख विशेषज्ञ द्वारा जांच की जानी चाहिए। और ऐसे हस्तलेख विशेषज्ञ की राय के आधार पर, बिल्डरों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए और कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसे निवेशकों को उनके मामलों की सुनवाई के बाद न्याय मिलना चाहिए। सर्विलांस अधिनियम के तहत जिन संपत्तियों को कुर्क किया जाना है, उन्हें कुर्क करने से पहले सार्वजनिक सूचना जारी की जानी चाहिए कि क्या उनमें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कोई निवेश किया गया है।

मर्यादा, करुणा और धर्म का जीवंत स्वरूप: राम नवमी पर श्रीराम के आदर्शों की अनंत यात्रा

“रमते सर्वत्र इति रामः” — अर्थात् जो सबके हृदय में रमते हैं, जो हर स्थान पर व्याप्त हैं, वही राम हैं। आज राम नवमी का पावन दिवस है, वह क्षण जब भगवान राम ने धरती पर अवतर लिया। यह केवल एक जन्मोत्सव नहीं, बल्कि मानव जीवन के आदर्शों का उत्सव है। चैत्र नवरात्र के नौ दिनों तक शक्ति की साधना के बाद जब राम का जन्म होता है, तो यह एक गहरा संकेत देता है कि शक्ति और मर्यादा का संतुलन ही जीवन का वास्तविक आधार है। यदि शक्ति को संयम, नियम और नैतिकता में न बांधा जाए, तो वही शक्ति विनाश का कारण बन सकती है। इसलिए राम केवल एक देवता नहीं, बल्कि एक आदर्श जीवन शैली के प्रतीक हैं। राम, भगवान विष्णु के मानव अवतार हैं, और यही कारण है कि उनका पूरा जीवन आम मनुष्य के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में सामने आता है। वे हमें यह सिखाते हैं कि एक सामान्य व्यक्ति भी अपनी मर्यादा, धर्म और सत्यनिष्ठा के बल पर अक्षय्य संभव बना सकता है। राम ने अपने जीवन में हर रिश्ते को इस तरह निभाया कि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बन गए। उनका जीवन केवल धार्मिक कथा नहीं, निवेश किया गया है।

जोवित पाठशाला है। जब हम राम को दशरथ के पुत्र के रूप में देखते हैं, तो वे आदर्श संतान की परिभाषा बन जाते हैं। दशरथ के एक वचन को निभाने के लिए उन्होंने बिना किसी प्रश्न के अपना राज्य, सुख-सुविधाएं और राजगद्दी त्याग दी और वनवास स्वीकार कर लिया। यह त्याग केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि माता-पिता के प्रति उनके अटूट सम्मान और समर्पण का प्रतीक था। वे प्रतिदिन अपने माता-पिता और गुरु के चरण स्पर्श करते, उनके आशीर्वाद से ही अपने दिन की शुरुआत करते। यहां तक कि केकेयी, जिन्होंने उन्हें वनवास दिया, उनके प्रति भी राम के मन में कोई कटुता नहीं थी। उन्होंने उन्हें सदैव अपनी माता के रूप में ही सम्मान दिया। यह हमें सिखाता है कि सच्ची संतान वही है, जो माता-पिता के प्रति प्रेम, सम्मान और समर्पण का भाव रखे। पति के रूप में राम का चरित्र और भी गहन और प्रेरणादायक है। जब उनका विवाह सीता से हुआ, तो उन्होंने उन्हें यह वचन दिया कि उनके जीवन में सीता के अलावा कोई अन्य स्त्री नहीं आएगी। यह वचन केवल एक प्रतीज्ञा नहीं था, बल्कि वैवाहिक जीवन में विश्वास, सम्मान और निष्ठा की नींव थी। राम हमें यह सिखाते हैं कि एक आदर्श पति वही है, जो अपनी पत्नी के

आत्मसम्मान और गरिमा का ध्यान रखे, उसे केवल प्रेम ही नहीं, बल्कि समान अधिकार और आदर भी दे। भाई के रूप में राम का प्रेम और संतुलन अद्वितीय था। लक्ष्मण उनके साथ साथे की तरह रहे, हर सुख-दुःख में उनके साथी बने। वहीं भरत के प्रति राम का प्रेम इतना गहरा था कि उन्होंने उन्हें अपने हृदय में सर्वोच्च स्थान दिया। उन्होंने कभी भी भाइयों में भेदभाव नहीं किया। एक को अपने साथ रखा और दूसरे को अपने मन में। यह संतुलन, यह निष्पक्ष प्रेम ही राम को महान बनाता है। उनका यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि रिश्तों में समानता और स्नेह ही परिवार की असली ताकत है। मित्रता के क्षेत्र में भी राम का आदर्श अनुपम है। सुग्रीव और विभीषण से उन्होंने उस समय मित्रता की, जब दोनों अपने ही परिवार और राज्य से वंचित हो चुके थे। राम ने उनके दुःख को अपना दुःख समझा और उन्हें उनका अधिकार वापस दिलाया। हनुमान के प्रति उनका प्रेम इतना था कि उन्होंने उन्हें भरत के समान प्रिय बताया। मित्रता में देने का भाव, निस्वार्थ सहायता और सच्ची निष्ठा—ये सब राम के चरित्र में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। राम की दुस्मनी भी उतनी ही आदर्श थी

जितनी उनकी मित्रता। बालि और रावण उनके शत्रु थे, लेकिन उन्होंने कभी भी उनके प्रति द्वेष नहीं रखा। बालि को मारने के बाद उन्होंने उसे ज्ञान दिया और उसके कर्मों का बोध कराया। रावण के अंतिम क्षणों में उन्होंने उनके दुःख को अपने हृदय में भाग देकर उन्हें सच्ची महानता दी। गुरु-शिष्य संबंध में भी राम एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं। वशिष्ठ और विश्वामित्र जैसे महान गुरुओं से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने यह नहीं सोचा कि वे एक राजा के पुत्र हैं, बल्कि एक सामान्य विद्यार्थी की तरह आश्रम में रहकर, पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ शिक्षा ग्रहण की। यह हमें यह सिखाता है कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए विनम्रता और अनुशासन आवश्यक है। एक योद्धा के रूप में राम का पराक्रम अद्वितीय था। रामायण में वर्णित है कि उन्होंने अकेले ही खर-दूषण और उनकी विशाल सेना का संहार किया। रावण के साथ युद्ध में भी उन्होंने अद्भुत साहस और रणनीति का परिचय दिया। वे जितने कोमल और सरल थे, उतने ही कठोर और दृढ़ भी। यह संतुलन ही उन्हें पूर्ण बनाता है।

सुरत एमएनपी नौकरी साक्षात्कार: अहमदाबाद में लिखित परीक्षा को लेकर युवाओं के बीच सवाल उठ रहे हैं



(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सुरत। सुरत नगर निगम ने वर्ष 2018, 2019, 2021 और 2023 में विधिन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। इसके चलते कई उम्मीदवार नौकरी पाने का सपना देख रहे थे। उस समय सुरत नगर निगम में आठ वर्षों तक भर्ती की कोई अंतिम तिथि घोषित नहीं की गई थी। कई युवाओं ने नौकरी की उम्मीद छोड़ दी थी, तभी अचानक सुरत नगर निगम के अधिकारियों और निर्वाचित पार्षदों ने घर बैठे ही उम्मीदवारों के साक्षात्कार की घोषणा कर दी। लेकिन क्या नगर निगम के अधिकारी निर्वाचित पार्षदों के घर जाने का इंतजार कर रहे थे? साक्षात्कार (लिखित परीक्षा) के लिए कोई पत्र नहीं भेजा गया। उम्मीदवारों को व्हाट्सएप पर सूचना दी गई। जिन उम्मीदवारों के मोबाइल नंबर बदल चुके थे, वे साक्षात्कार (लिखित परीक्षा) की सूचना मिलते ही सुरत नगर निगम के तापीपुर स्थित श्री तापीभवन कार्यालय को और दौड़ पड़े। सुरत नगर निगम का साक्षात्कार (लिखित परीक्षा) अहमदाबाद में आयोजित किया गया। फॉर्म भरने वाले उम्मीदवार

अधिकतर सुरत और सुरत जिले के हैं। ऐसे उम्मीदवारों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है। साक्षात्कार (लिखित परीक्षा) का समय सुबह 10:00 बजे है, इसलिए आपको सुबह जल्दी उपस्थित होना होगा। क्या सुरत नगर निगम के पास उपकरणों और सामग्रियों की कमी है? वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, एस्वीएनआईटी कॉलेज, गांधी कॉलेज, स्मैरम कॉलेज, एमटीबी कैम्पस, भगवान महावीर विश्वविद्यालय जैसे बड़े संस्थानों की इमारतें तो वही हैं। फिर उम्मीदवारों को अहमदाबाद तक इंतजार क्यों कराया गया? कई उम्मीदवार यह सवाल पूछ रहे हैं कि सुरत नगर निगम ने साक्षात्कार (लिखित परीक्षा) अहमदाबाद में क्यों आयोजित किया? क्या सुरत नगर निगम के अधिकारी परीक्षा लेने में सक्षम नहीं हैं? यदि राज्य सरकार तलाटी, सीसीई और अन्य विज्ञापनों के लिए सुरत में साक्षात्कार (लिखित परीक्षा) आयोजित करती है, तो सुरत नगर निगम अहमदाबाद में साक्षात्कार (लिखित परीक्षा) आयोजित करके क्या साबित करना चाहता है?

गुजरात उच्च न्यायालय का फैसला: बैंक नीलामी के माध्यम से खरीदी गई संपत्ति के पंजीकरण को नहीं रोक सकता

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सुरत। गुजरात उच्च न्यायालय ने बैंक नीलामी के माध्यम से खरीदी गई संपत्तियों के मामले में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। इस संबंध में, उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि किसी व्यक्ति ने बैंक की कानूनी नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से संपत्ति खरीदी है, तो संबंधित सरकारी अधिकारी या पंजीकरण अधिकारी उसके विक्रय दस्तावेज या विक्रय प्रमाण पत्र को पंजीकृत करने से इनकार नहीं कर सकते। इस संबंध में, माननीय न्यायालय ने आगे स्पष्ट किया है कि यदि ऐसी संपत्ति पर बैंक विभाग या कोई अन्य सरकारी बकाया है, तब भी अधिकारियों के लिए बैंक द्वारा जारी विक्रय प्रमाण पत्र को पंजीकृत करना अनिवार्य है। न्यायमूर्ति हेमंत एम. प्रच्छक की अदालत ने भावनगर में संपत्ति विवाद के मामले में यह फैसला सुनाया। मामले के अनुसार, “मेसर्स राज पिक्चर हाउस” के स्वामित्व वाली एक संपत्ति को वर्ष 2013 में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास गिरवी रखा गया था। जब मूल मालिक ऋण चुकाने में विफल रहा, तो बैंक ने SARFAESI अधिनियम के तहत वसूली की कार्यवाही शुरू की और संपत्ति की सार्वजनिक नीलामी आयोजित की। इस नीलामी में, आवेदक त्रिशाली वैभव शाह ने सफलतापूर्वक बोली लगाई और अक्टूबर 2023 में 1.96 करोड़ रुपये का बिक्री प्रमाण पत्र प्राप्त किया। हालांकि, जब खरीदार संपत्ति के

दस्तावेज (हस्तांतरण विलेख) को पंजीकृत कराने के लिए उप-पंजीकृत कार्यालय पहुंचा, तो अधिकारियों ने इसे पंजीकृत करने से साफ इनकार कर दिया। प्रशासन ने तर्क दिया कि बैंक विभाग ने 2016 में संपत्ति को जब्त करने का आदेश दिया था और सरकारी बाधाओं के कारण इसे पंजीकृत नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता ने इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत में दलील दी कि SARFAESI अधिनियम के तहत सुरक्षित वित्तीय संस्थानों के दावों को प्राथमिकता दी जाती है और पंजीकरण अधिकारी कानूनी नीलामी प्रक्रिया में बाधा नहीं डाल सकते। माननीय उच्च न्यायालय ने इन दलीलों को स्वीकार करते हुए कहा कि पंजीकरण अधिकारियों ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम किया है। न्यायालय ने अधिकारियों के इनकार को खारिज करते हुए आदेश को रद्द कर दिया और बैंक तथा याचिकाकर्ता के बीच विक्रय विलेख के पंजीकरण की प्रक्रिया को तत्काल पूरा करने का आदेश दिया। इस फैसले से राज्य में बैंक नीलामी के माध्यम से संपत्ति खरीदने वाले सैकड़ों लोगों के लिए एक बड़ा रास्ता खुल गया है। अब से पंजीकरण अधिकारी पुराने बकाया या सरकारी विभागों के बोझ का बहाना बनाकर वैध खरीदारों को परेशान नहीं कर पाएंगे। इसे संपत्ति बाजार और बैंकिंग क्षेत्र के लिए राहत भरी खबर माना जा रहा है।



नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी



JioTV
CHENNAL NO.
2063



Jio Air Fiber



Jio tv+



Jio Fiber



Daily Hunt



ebaba Tv



Dish Plus



DTH live OTT



Rock TV



Airtel



Amezone Fire



Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही नवसर्जन संस्कृति हिंदी चैनल देखिये

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने मार्च-2026 के राज्य स्वागत कार्यक्रम में 'नागरिक देवो भवः' का उदारतम दृष्टिकोण अपनाया

राज्य स्वागत की फलश्रुति
► किसानों को मिलेगा बेहतर खेती का आधार, भूमि अधिग्रहण सुआवजा
► विद्यार्थियों को मिलेगी स्कूल की पक्की छत, वृद्ध माता को मिला अपना घर

► जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिलों के प्रशासनिक तंत्र को स्पष्ट निर्देश
► मुख्यमंत्री के अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्वागत कार्यक्रम में 100 से अधिक नागरिकों की समस्याओं का सुखद समाधान

► जिला स्वागत में 1218 एवं तहसील स्वागत में 2294 सहित 3512 प्रस्तुतियों पर उचित कार्रवाई की गई
► वृद्ध माता की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने संवेदना व्यक्त करते हुए वृद्धा को कोई परेशानी न हो, यह तत्काल सुनिश्चित करने के दिशानिर्देश दिए
► सरदार कृषि नगर यूनिवर्सिटी, दांतीवाड़ा में पिछले 40 वर्षों से चल रही प्राथमिक स्कूल में पढ़ रहे 300 बच्चों के हित में तुरंत स्कूल निर्माण का निर्देश
► खेत से गुजर रही भूमिगत सीवर लाइन के लीकेज से फसल को हो रहे नुकसान को रोकने, खेत का कटाव रोकने तथा खेत तक जाने के रास्ते से अतिक्रमण हटाने सहित किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए स्थानीय प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए गए

गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को मार्च-2026 के राज्य स्वागत कार्यक्रम में प्राप्त प्रस्तुतियों को स्वयं सुनकर 'नागरिक देवो भवः' के उदार दृष्टिकोण के साथ जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित जिलों के प्रशासनिक तंत्र को स्पष्ट निर्देश दिए।

स्वागत ऑनलाइन जन शिकायत निवारण पहल अंतर्गत मार्च-2026 के राज्य स्वागत में राज्यभर से 100 से अधिक आवेदक अपनी समस्याओं के साथ उपस्थित रहे। इसके अलावा, जिला स्वागत की 1218 और तहसील स्वागत की 2294 प्रस्तुतियों-प्रश्नों के संदर्भ में भी जिला एवं तहसील स्तर पर उचित समाधान की कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्वागत कार्यक्रम में पुत्र एवं पुत्रवधु द्वारा वृद्ध माता को घर से निकालने तथा शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना देने की शिकायत पर संवेदना व्यक्त करते हुए तत्काल डिप्टी कलेक्टर के आदेश का पालन सुनिश्चित करने हेतु जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए।

सरदार कृषि नगर यूनिवर्सिटी, दांतीवाड़ा में पिछले 40 वर्षों से चल रही प्राथमिक स्कूल में अध्ययनरत



300 बच्चों के हित को प्राथमिकता देते हुए यूनिवर्सिटी द्वारा तुरंत स्कूल निर्माण को स्वीकृति देने की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस स्वागत कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की समस्याओं के समाधान को भी प्राथमिकता देने के आदेश दिए। इसके अंतर्गत, देहगाम की खारी नदी बलू और झाड़ियों के कारण पानी का प्रवाह बाधित होने से किसानों की भूमि का लगातार कटाव होने के संबंध में प्राप्त शिकायत पर मुख्यमंत्री ने तुरंत बाधा हटकर भूमि कटाव रोकने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने

भी मुख्यमंत्री को सुजलाम सुफलाम योजना अंतर्गत किसानों को इस समस्या का शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। अन्य मामलों में खेत से गुजर रही भूमिगत सीवर लाइन के लीकेज से फसल को हो रहे नुकसान को रोकने, खेत तक जाने के रास्ते से अतिक्रमण हटाने सहित किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन को जल्द ही समाधान करने के दिशानिर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने राज्य स्वागत कार्यक्रम अंतर्गत राज्य के नागरिकों की समस्याओं का समयसोमा में,



न्यायसंगत और निष्पक्ष रूप से समाधान कर राज्य सरकार के प्रति नागरिकों का विश्वास और अधिक मजबूत करने के लिए प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने

के निर्देश दिए। मार्च-2026 के इस राज्य स्वागत में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री संजीव कुमार, अपर प्रधान सचिव डॉ. विक्रान्त पांडे, सचिव डॉ. अजय

कुमार तथा विशेष कार्य अधिकारी श्री डी. के. पारेख, श्री राकेश व्यास तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित जिलों के कलेक्टर, एसपी और डीडीओ उपस्थित रहे।

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित, साहित्यकार महादेवी वर्मा जयंती पर साहित्यिक आयोजन एवं हिंदी जागरूकता कार्यक्रम

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में दिनांक 25.03.2026 को मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का गरिमामय आयोजन किया गया।

बैठक से पूर्व हिंदी साहित्यकार महादेवी वर्मा जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय द्वारा महादेवी वर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुरुआत किया गया। राजभाषा विभाग द्वारा महादेवी वर्मा जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित एक प्रभावपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी गई, जिसके उपरान्त हिंदी प्रश्न मंच



का आयोजन किया गया, सही उत्तर देनेवाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल की होली विशेषांक ई-पत्रिका 'राजभाषा आश्रम सौरभ' के 54वें

अंक का विमोचन भी किया गया, जो मंडल में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं सुजनात्मक अभिव्यक्ति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

बैठक के दौरान मंडल में राजभाषा

के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 02 अधिकारियों एवं 06 कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक महोदय की विशेष पुरस्कार योजना 'राजभाषा रत्न' के अंतर्गत प्रशस्ति-पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बैठक में राजभाषा के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु नवीन पहल के रूप में यह निर्णय लिया गया कि रेलगाड़ियों में QR कोड उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनके माध्यम से यात्री हिंदी की विविध पुस्तकों का अध्ययन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर हिंदी पुस्तकालय स्थापित करने की योजना भी प्रस्तावित की गई, जिससे यात्रियों एवं आमजन

में हिंदी पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके।

मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे निर्धारित लक्ष्यों से आगे बढ़कर राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य सुनिश्चित करें तथा शासकीय कार्यों में हिंदी के प्रयोग को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाएं।

उक्त बैठक में अपर मंडल राजभाषा अधिकारी श्रीमती मंजू मीणा, राजभाषा अधिकारी (प्रभारी) श्री हाफिज अली खान सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्पेशल ट्रेनों के फेरे को विस्तारित किया गया है।

1. ट्रेन संख्या 09049/09050 दादर - भुसावल साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09057/09058 सूरत - मंगलूर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09057 सूरत - मंगलूर स्पेशल को 31 मई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09058 मंगलूर - सूरत स्पेशल को 01 जून, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

4. ट्रेन संख्या 09111/09112 वडोदरा - गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09111 वडोदरा - गोरखपुर स्पेशल को 27 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09112 गोरखपुर - वडोदरा स्पेशल को 29 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

5. ट्रेन संख्या 09195/09196 वडोदरा - मऊ साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09195 वडोदरा - मऊ स्पेशल को 25 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09196 मऊ - वडोदरा स्पेशल को 26 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

6. ट्रेन संख्या 09424/09423 अहमदाबाद - मंगलूर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09424 अहमदाबाद - मंगलूर स्पेशल को 29 मई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09423 मंगलूर - अहमदाबाद स्पेशल को 30 मई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

7. ट्रेन संख्या 09324/09323 इंदौर - खड़की साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09324 इंदौर - खड़की स्पेशल को 29 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09323 खड़की - इंदौर स्पेशल को 30 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09195 वडोदरा - मऊ स्पेशल को 25 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09196 मऊ - वडोदरा स्पेशल को 26 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

6. ट्रेन संख्या 09424/09423 अहमदाबाद - मंगलूर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09424 अहमदाबाद - मंगलूर स्पेशल को 29 मई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09423 मंगलूर - अहमदाबाद स्पेशल को 30 मई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

7. ट्रेन संख्या 09324/09323 इंदौर - खड़की साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 09324 इंदौर - खड़की स्पेशल को 29 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09323 खड़की - इंदौर स्पेशल को 30 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

अहमदाबाद मंडल: स्टेशनों एवं ट्रेनों पर व्यापक सघन टिकट जांच अभियान, 7 दिनों में 7943 प्रकरण दर्ज, 56.53 लाख से अधिक राजस्व अर्जित

यात्रियों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं नियमबद्ध यात्रा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा दिनांक 18 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 तक एक विशेष, बहु-स्तरीय सघन टिकट जांच अभियान सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। यह अभियान मंडल के प्रमुख एवं उप-प्रमुख स्टेशनों के साथ-साथ मेल/एक्सप्रेस, पैसेंजर एवं उपनगरीय ट्रेनों में समन्वित एवं निरंतर रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है।



उक्त अभियान के अंतर्गत दिनांक 18.03.2026 से 24.03.2026 तक की अवधि में व्यापक जांच के परिणामस्वरूप कुल 7943 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 56.53 लाख से अधिक का राजस्व अर्जित हुआ। यह उपलब्धि मंडल के प्रभावी निगरानी प्रणाली, सतत प्रवर्धन कार्रवाई तथा राजस्व संरक्षण के प्रति

प्रतिबद्धता को परिलक्षित करती है। अभियान के दौरान बिना बुक किए गए सामान (Unbooked Luggage - UBL) से संबंधित 35 प्रकरण भी दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त, रेलवे अधिनियम की धारा 198 के अंतर्गत 147 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 27,610 का जुर्माना वसूला गया।

सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के अंतर्गत टिकट जांच स्टाफ द्वारा स्टेशनों, प्रमुख ट्रेनों, प्लेटफार्म परिसरों एवं संवेदनशील खंडों में विशेष निगरानी रखते हुए बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा तथा नियम उल्लंघन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है।

रेल प्रशासन यात्रियों से पुनः अपील करता है कि वे वैध एवं अधिकृत माध्यमों से टिकट प्राप्त कर ही यात्रा करें तथा रेलवे अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अहमदाबाद मंडल द्वारा इस प्रकार के विशेष प्रवर्धन अभियानों को भीषण में भी निरंतर एवं अधिक सघन रूप से संचालित किया जाता रहेगा, जिससे राजस्व संरक्षण, सेवा गुणवत्ता में सुधार तथा यात्रियों के लिए सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

अहमदाबाद मंडल में नागरिक सुरक्षा विंग द्वारा "Annual Day Celebration" का आयोजन

अहमदाबाद मंडल के नागरिक सुरक्षा विंग द्वारा दिनांक 20.03.2026 को गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन परिसर में 'Civil Defence Annual Day' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के कौशल का प्रदर्शन करना था।

कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एवं मंडल नागरिक सुरक्षा अधिकारी श्री उमेश प्रसाद द्वारा नागरिक सुरक्षा दल की परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त स्वयंसेवकों ने विभिन्न आपातकालीन बचाव कार्यों का



प्रभावी प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जिसमें शामिल थे—

► इमर्जेंसी रेस्क्यू विधि के माध्यम से विभिन्न स्थानों से घायलों (कैजुअल्टी) को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना।
 ► टू पैरेलल सर्वेस्पेंशन विधि

द्वारा स्ट्रेचर के माध्यम से घायल व्यक्ति को ऊँचाई से सुरक्षित नीचे उतारना।
 ► चेयर नॉट तकनीक के माध्यम से घायल व्यक्ति को ऊँचाई से सुरक्षित नीचे लाना।
 ► फायर एक्सटिंग्विशर का

उपयोग कर आग पर त्वरित नियंत्रण प्राप्त करना।

इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा संगठन, गांधीनगर के प्रभारी एवं वॉर्डन, ADSO-अहमदाबाद, IPF/RPF गांधीनगर सहित रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एवं मंडल नागरिक सुरक्षा अधिकारी द्वारा विशिष्ट अतिथियों एवं प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह (Memento) प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अहमदाबाद मंडल द्वारा इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से आपदा प्रबंधन क्षमता को सुदृढ़ करने एवं रेलवे परिसर में सुरक्षा एवं सजगता को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सोना वायदा में 5883 रुपये और चांदी वायदा में 12487 रुपये का ऊछाल: कूड ऑयल वायदा 521 रुपये फिसला

मुंबई: देश के अग्रणी क्मोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर क्मोडिटी वायदा, ऑप्शंस और इंडेक्स फ्यूचर्स में 232338.31 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज हुआ। क्मोडिटी वायदाओं में 34217.57 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जबकि क्मोडिटी ऑप्शंस में 198120.31 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर हुआ। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स का अप्रैल वायदा 35360 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था। क्मोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर 2940.41 करोड़ रुपये का हुआ। कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में 25329.71 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना अप्रैल वायदा सत्र के आरंभ में 143079 रुपये के भाव पर खुलकर, 144799 रुपये के दिन के उच्च और 143079 रुपये के नीचेले स्तर को छूकर, 138912 रुपये के पिछले बंद के सामने 5883 रुपये या 4.24 फीसदी की तेजी के संग 144795 रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ। गोल्ड-मिनी मार्च वायदा 3741 रुपये या 3.29 फीसदी की तेजी के संग 117297 रुपये प्रति 8 ग्राम के भाव पर पहुंचा।

गोल्ड-पेटल मार्च वायदा 540 रुपये या 3.8 फीसदी की तेजी के संग 14742 रुपये प्रति 1 ग्राम के भाव पर पहुंचा। सोना-मिनी अप्रैल वायदा 143010 रुपये पर खुलकर, ऊपर में 144855 रुपये और नीचे में 142510 रुपये पर पहुंचकर, 5693 रुपये या 4.09 फीसदी की तेजी के संग 144800 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंचा। गोल्ड-टेन मार्च वायदा प्रति 10 ग्राम 139999 रुपये पर खुलकर, ऊपर में 146400 रुपये और नीचे में 139999 रुपये पर पहुंचकर, 139311 रुपये के पिछले बंद के सामने 5614 रुपये या 4.03 फीसदी की तेजी के संग 144925 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंचा। चांदी के वायदाओं में चांदी मई वायदा सत्र के आरंभ में 232898 रुपये के भाव पर खुलकर, 237350 रुपये के दिन के उच्च और 232898 रुपये के नीचेले स्तर को छूकर, 223941 रुपये के पिछले बंद के सामने 12487 रुपये या 5.58 फीसदी की तेजी के संग 236428 रुपये प्रति किलो हुआ। इनके अलावा चांदी-मिनी अप्रैल वायदा 12007 रुपये या 5.26 फीसदी की मजबूती के साथ 240098 रुपये प्रति किलो बोला गया।



जबकि चांदी-माइक्रो अप्रैल वायदा 11990 रुपये या 5.25 फीसदी की तेजी के संग 240201 रुपये प्रति किलो हुआ। मेटल वर्ग में 3333.69 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। तांबा मार्च वायदा 16.75 रुपये या 1.5 फीसदी की तेजी के संग 1136.1 रुपये प्रति किलो हुआ। जबकि जस्ता मार्च वायदा 1.75 रुपये या 0.57 फीसदी बढ़कर 310.35 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके सामने एल्यूमीनियम मार्च वायदा 2.5 रुपये या 0.75 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 334.1 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि सीसा मार्च वायदा 65

से या 0.35 फीसदी चढ़कर 189 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुंचा। इन जिनसे के अलावा कारोबारियों ने एनर्जी सेगमेंट में 5203.59 करोड़ रुपये के सौदे किए। एमसीएक्स कूड ऑयल अप्रैल वायदा सत्र के आरंभ में 8530 रुपये प्रति एमएमबीटीयू हुआ। कृषि जिनसे में मंथा ऑयल मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 1002.1 रुपये के भाव पर खुलकर, 60 पैसे या 0.06 फीसदी की नरमी के साथ 991.6 रुपये प्रति किलो बोला गया।

को गिरावट के साथ 8222 रुपये प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहा था। इनके अलावा नैचुरल गैस मार्च वायदा 271.1 रुपये पर खुलकर, ऊपर में 274.6 रुपये और नीचे में 269.8 रुपये पर पहुंचकर, 277.6 रुपये के पिछले बंद के सामने 6.2 रुपये या 2.23 इन जिनसे के अलावा कारोबारियों ने एमएमबीटीयू के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि नैचुरल गैस-मिनी मार्च वायदा 6.1 रुपये या 2.2 फीसदी गिरकर 271.3 रुपये प्रति एमएमबीटीयू हुआ। कृषि जिनसे में मंथा ऑयल मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 1002.1 रुपये के भाव पर खुलकर, 60 पैसे या 0.06 फीसदी की नरमी के साथ 991.6 रुपये प्रति किलो बोला गया।

कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर सोना के विभिन्न अनुबंधों में 17928.21 करोड़ रुपये और चांदी के विभिन्न अनुबंधों में 7401.50 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। इसके अलावा तांबा के वायदाओं में 2780.89 करोड़ रुपये, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम-मिनी के वायदाओं में 274.03 करोड़ रुपये, सीसा और सीसा-मिनी के वायदाओं में 20.59 करोड़ रुपये, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदाओं में 258.18 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इन जिनसे के अलावा कूड ऑयल और कूड ऑयल-मिनी के वायदाओं में 6477.2 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। जबकि नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदाओं में 1195.29 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। ओपन इंटरस्ट सोना के वायदाओं में 8363 लोट, सोना-मिनी के वायदाओं में 57243 लोट, गोल्ड-मिनी के वायदाओं में 28298 लोट, गोल्ड-पेटल के वायदाओं में 366286 लोट और गोल्ड-टेन के वायदाओं में 6477.2 लोट के स्तर पर था। जबकि चांदी के वायदाओं में 7023 लोट, चांदी-मिनी के वायदाओं

में 19558 लोट और चांदी-माइक्रो के वायदाओं में 72226 लोट के स्तर पर था। कूड ऑयल के वायदाओं में 19459 लोट और नैचुरल गैस के वायदाओं में 27188 लोट के स्तर पर था। इंडेक्स फ्यूचर्स में बुलडेक्स अप्रैल वायदा सत्र के आरंभ में 35131 पॉइंट पर खुलकर, 35473 के उच्च और 35131 के नीचेले स्तर को छूकर, 1252 पॉइंट बढ़कर 35360 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था। क्मोडिटी ऑप्शंस ऑन फ्यूचर्स में कूड ऑयल अप्रैल 10000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति बैरल 158.2 रुपये की गिरावट के साथ 280.8 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस अप्रैल 270 रुपये की गिरावट के साथ 0.74 रुपये हुआ। क्मोडिटी ऑप्शंस ऑन फ्यूचर्स में कूड ऑयल अप्रैल 10000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 2435 रुपये की गिरावट के साथ 3219 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी मार्च 230000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 7329 रुपये की गिरावट के साथ 2100 रुपये हुआ। तांबा अप्रैल 1100 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 7.69 रुपये की गिरावट के साथ 17.81 रुपये हुआ। जस्ता अप्रैल 290 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 3 पैसे के सुधार के साथ 1.5 रुपये हुआ।

अविरत गुजरात, विकसित गुजरात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 2 दशक में गुजरात बना उल्लेखनीय शहरीकरण का साक्षी

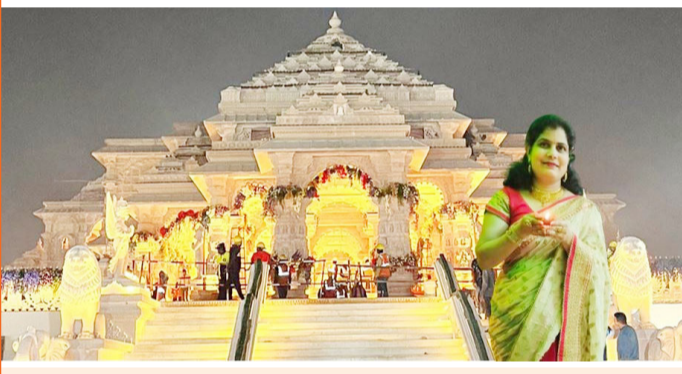
विशाल रोड एवं रेलवे नेटवर्क तथा विश्व स्तरीय अत्याधुनिक एयरपोर्ट्स के निर्माण के साथ गुजरात ने नागरिकों को दी सरल व उत्तम कनेक्टिविटी
स्मार्ट सिटी मिशन अंतर्गत राज्य के 6 स्मार्ट शहरों में 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक के 357 प्रोजेक्ट्स पूर्ण किए गए
शहरी विकास वर्ष 2025 के दौरान अमृत 2.0 योजना अंतर्गत जलापूर्ति विभाग द्वारा 630.39 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स, जबकि सीवेज व्यवस्था के लिए 575.58 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स क्रियान्वित
वर्ष 2026-27 के स्टेट बजट में राज्य सरकार ने शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण विभाग के लिए 33504 करोड़ रुपए का भारी बजट दिया

गांधीनगर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 31 मार्च, 2026 को गुजरात की यात्रा पर आएंगे। इस यात्रा के दौरान वे शहरी विकास के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। उल्लेखनीय है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2005 को शहरी विकास वर्ष घोषित किया था और उस वर्ष के दौरान शहरी क्षेत्रों में डॉचागत सुविधाओं के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया था। गुजरात की इस शहरी विकास यात्रा को 2025 में 20 वर्ष पूरे हुए और इन 20 वर्षों के दौरान गुजरात उल्लेखनीय शहरीकरण का साक्षी बना। गुजरात के शहरों का आधुनिक समय के अनुरूप सुगठित एवं सुनियोजित विकास किया गया है। शहरी विकास की इस यात्रा को आगे बढ़ाने तथा राज्य में वर्ल्ड क्लास सिटी डेवलपमेंट को वेग देने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने गत वर्ष के बजट में वर्ष 2025 को 'शहरी विकास वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि शहरी विकास की इस यात्रा के दौरान राज्य के सभी शहरों में सड़क-मार्गों, स्ट्रीट लाइट, पीने के पानी की पाइप लाइन, सीवेज व्यवस्था, शहरी बाग-बगीचे जैसे अनेक नागरिकोन्मुखी कार्य पूरे किए गए हैं। सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को शहरी क्षेत्रों में आवास प्रदान किए गए हैं। राज्य में अनेक टाउन प्लानिंग स्कीमों को मंजूरी दी गई है, जो शहरीकरण की प्रक्रिया को वेग देती हैं। शहरों के योजनापूर्वक विकास से आज शहरों में बसे नागरिक 'इज ऑफ लिविंग' का अनुभव कर रहे हैं।



गुजरात में सुदृढ़ रोड, रेलवे तथा एयर कनेक्टिविटी
विशाल रोड व रेलवे नेटवर्क, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट्स तथा बंदरगाहों के विकास के साथ गुजरात में एक सुविकसित परिवहन नेटवर्क है, जो नागरिकों को उत्तम कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करता है। आज राज्य के शहरी क्षेत्रों में बढ़ रहे परिवहन के सुचारु संचालन के लिए ओवरब्रिज तथा अंडरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। विशेषकर राज्य के चार महानगरों अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट व सूरत में ओवरब्रिज-अंडरब्रिज निर्माण द्वारा एक सुदृढ़ रोड नेटवर्क बनाया जा रहा है, जिससे नागरिकों के लिए परिवहन आसान बन रहा है। राज्य में द्वारका तथा वेद द्वारका को जोड़ने वाले अत्याधुनिक सिनेचर ब्रिज 'सुदर्शन सेतु' का लोकार्पण किया गया है, जिसके साथ एग्रोच रोड तथा पार्किंग सुविधा भी विकसित की गई है। अब लोगों के लिए द्वारका से वेद द्वारका जाना बहुत सरल हो गया है। इसके अलावा; गुजरात में जामनगर-बटिंडा हाईवे, वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे, पोर्बंदर-द्वारका नेशनल हाईवे आदि का भी निर्माण किया जा रहा है, जो राज्य के रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर को अधिक सुदृढ़ बनाएंगे। इसके साथ ही; गत वर्ष के बजट में नमोशक्ति तथा सोमनाथ-द्वारका; इन दो ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण की घोषणा की गई थी। नमोशक्ति एक्सप्रेसवे डीसा से पीपावाव तक बनाया जाएगा, जिसकी लंबाई 430 किलोमीटर होगी, तो सोमनाथ-द्वारका एक्सप्रेसवे की लंबाई 680 किलोमीटर होगी, जो अहमदाबाद, राजकोट तथा द्वारका के आसपास क्षेत्रों के लिए कनेक्टिविटी सुगम बनाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घदृष्टि के कारण आज गुजरात में मेट्रो रेल चल रही है। हाल ही में अहमदाबाद मेट्रो फेज-2 पूरा हुआ है, जिसके जरिये अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। सूरत मेट्रो के लिए राज्य सरकार द्वारा 23 ट्रेनसेट्स का ऑर्डर दिया गया है, जिसके पूरा होने पर सूरत शहर टिकाऊ शहरी परिवहन के सुदृढ़ विस्तार का साक्षी बनेगा। देश का पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट भी गुजरात में तैयारी से आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा; प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सितंबर-2022 में गुजरात को सर्वप्रथम नई वंदे भारत ट्रेन की भेंट दी थी। आज गुजरात में 5 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। साथ ही; अमृत भारत स्टेशन योजनांतर्गत गुजरात के 89 रेलवे स्टेशनों की कायापलट होने जा रही है, जिनमें से 18 रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण हो चुका है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गुजरात में एयरपोर्ट्स का भी आधुनिक विकास हुआ है। 1405 करोड़ रुपए की लागत से राजकोट में हीरासर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। इस नए एयरपोर्ट के निर्माण के बाद राजकोट के व्यावसायिक विकास को गति मिली है। साथ ही; 3400 करोड़ रुपए की लागत से सूरत अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कार्यरत किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल 'उड़ें देश का आम नागरिक' यानी उड़ान योजनांतर्गत गुजरात में भावनगर, जामनगर, कंडला, केशद, मुंदा, पोर्बंदर एयरपोर्ट्स पर स्थानीय एयर कनेक्टिविटी में वृद्धि हुई है।

“असाध्य को साध्य बनाते श्री राम”



राम नाम की महिमा तो देवाधिदेव महादेव से श्रेष्ठ कोई भी व्यक्त नहीं कर सकता, जो गृहस्थ जीवन में माता उमा सहित प्रभु राम की आराधना में लीन रहते हैं। महादेव ने सिर्फ राम नाम को रखकर बाकी सभी वितरित कर दिया था। भगवान श्री राम के प्रति महादेव का प्रेम इतना अद्भुत है कि वे राम नाम श्रवण के लिए शमशान में निवास करते हैं। वे माता पार्वती को विष्णु सहस्रनाम का पाठ करने पर बताते हैं कि है देवी राम नाम विष्णु सहस्रनाम के तुल्य है। मैं सर्वदा राम नाम में ही रमन करता हूँ। महादेव ने अपने 11वें रुद्र अवतार में भी श्री राम के प्रति अपना अनन्य प्रेम और भक्ति प्रदर्शित की। हनुमान सदैव श्री राम के सानिध्य में रहना चाहते हैं। राम भक्ति में ही वे आनंद के अभिभूत रहते हैं। भगवान राम के अवतरण में असाध्य को साध्य बनाने का अनूठा रहस्य छुपा है। भगवान श्री राम के जीवन में धैर्य सबसे अनूठा मूल रह रहा है, जो नारायण स्वरूप श्री राम पलक झपकते ही सृष्टि का सर्वस्व परिवर्तित कर सकते थे, उन्होंने श्रीराम बनकर छोटे-छोटे कार्यों को संपादित कर अपने लक्ष्य को साधा। जिनकी सेवा में समस्त सृष्टि सेवारत रहती है उन्होंने राम से श्रीराम बनने की यात्रा में सहजता, सरलता और त्याग को अपनाकर छोटे-छोटे संसाधन जुटाकर उन संसाधनों से विजय को प्राप्त करना सिखाया। दुनिया अक्सर असमानता के भाव से दूसरों को न्यून समझकर अस्वीकार करती है, वहीं श्रीराम ने वानर सेना का सहयोग लेकर दुनिया को सफलता का मूल मंत्र सिखाया कि हर कोई स्वयंमय श्रेष्ठ होता है। श्रीराम के चरित्र में हमें रामभूमि के साथ मनभूमि पर भी विजय प्राप्त करने का संदेश मिलता है। जिन सीता माता के श्रीराम वन-वन भटकें, जिनको रावण की कैद से मुक्त करवाने के लिए श्रीराम ने युद्ध तक का मार्ग तय किया, उनको छोड़ना श्रीराम के लिए सहज नहीं होगा, पर श्रीराम की जीवन यात्रा में स्वयं का सुख निहित नहीं था। वे तो जनकल्याण के लिए अवतरित हुए थे। मर्यादा पुरोहित स्वरूप को साकार रूप देने आए थे, इसलिए अपनी संतान के विरह के मार्ग को भी सहर्ष स्वीकार किया। श्रीराम की पूरी जीवन यात्रा प्रत्येक स्वरूप में नए आयामों को स्थापित करने के लिए थी। उन्होंने राज्य का भोग नहीं अपितु वनवास में रहकर अपने भक्तों की प्रार्थना और मनोरथ को सुना। भक्ति के अधीन होकर वे स्वयं अपने भक्तों के उद्धार के लिए जनमानस के बीच गए। जिनके चरण कमल के समान हैं, जिनके नयन कमल के समान है उन श्रीराम ने वनवास की प्रतिक्रिया भी सहर्ष स्वीकार की। श्रीराम की विलक्षण लीला में माया रूपी सोने के मृग का अनुसरण करना भी शामिल था। स्वयं ब्रह्म होकर माया के

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत लोगों को मिला अपने सपनों का घर

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) लागू होने के बाद राज्य के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों का अपने घर का सपना साकार हो रहा है। इस योजनांतर्गत राज्य के शहरी क्षेत्रों में 919204 आवासों का निर्माण किया गया है। इस योजना के क्रियान्वयन में गुजरात समग्र देश में अग्रसर है। इसके अलावा; राजकोट शहर में लाइटहाउस प्रोजेक्ट अंतर्गत मोनोलिथिक कंक्रीट कन्स्ट्रक्शन टेकनोलॉजी का उपयोग कर कुल 1144 आवासों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की सफलता के चलते वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 घोषित की गई, जिसके अंतर्गत 1 लाख से अधिक आवास मंजूर किए गए हैं।

शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण विभाग के लिए राज्य सरकार ने दिया 33504 करोड़ रुपए का भारी बजट

गुजरात के शहरों को फ्यूचर रेडी बनाने तथा नागरिकों की सुख-सुविधा के साथ शहरों में इज ऑफ लिविंग के विजन को साकार करने के लिए राज्य के वर्ष 2026-27 के बजट के अनुसार शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण विभाग के लिए 33504 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस बजट अंतर्गत नागरिक सेवाओं को विश्व स्तरीय बनाने के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजनांतर्गत मौजूदा प्रावधान में लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि कर उसे 16116 करोड़ रुपए किया गया है। इसके अलावा; इस वर्ष के शहरी विकास के बजट आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के लिए अहमदाबाद तथा अन्य घोषणा की गई है, जिसके कॉम्प्लेक्स स्थापित कर उसे आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। इसके लिए 1278 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही जलापूर्ति, ड्रेनेज व्यवस्था, तालाब विकास तथा परिवहन अवसंरचना के लिए, अहमदाबाद तथा सूरत मेट्रो विस्तार सहित गुजरात मेट्रो रेल प्रोजेक्ट, स्वच्छ भारत मिशन (अर्बन) आदि के लिए शहरी विकास के बजट अंतर्गत प्रावधान किए गए हैं, जो शहरी क्षेत्र के नागरिकों की सुख-सुविधा के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य के शहरीकरण तथा आधुनिकीकरण को ध्यान में रखकर वर्ष 2023 में भारत की जी-20 देशों की अध्यक्षता में शहरों के विकास एवं आयोजन संबंधी अर्बन-20 बैठक के केवल गुजरात में ही अहमदाबाद शहर में आयोजित की गई थी, जहाँ जी-20 देशों के शहरों के प्रतिनिधियों ने इकट्ठा होकर शहरीकरण पर विचार-विमर्श किया था। गुजरात में हुआ शहरीकरण उसके आर्थिक विकास, औद्योगिक विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी तथा राज्य सरकार की पहलों का परिणाम है। इस प्रक्रिया ने ग्रामीण क्षेत्रों को व्यस्त शहरी केन्द्रों में परिवर्तित किया है और निवेश, व्यवसाय तथा स्थानांतरण करने वालों को आकर्षित किया है। शहरों का विकास राज्य में विभिन्न अवसरों को आकर्षित करता है और इसी कारण शहरी विकास का संचालन तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट सुनिश्चित करना नागरिकों की सुख-सुविधा एवं राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

स्मार्ट मिशन अंतर्गत गुजरात में 6 स्मार्ट सिटी

भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्मार्ट सिटी मिशन अंतर्गत गुजरात के 6 शहरों अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, गांधीनगर तथा दोहोद का चयन किया गया था। इन छह शहरों में 11507 करोड़ रुपए से अधिक के 359 प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं, जिनमें से 11277 करोड़ रुपए के 357 प्रोजेक्ट पूरे हुए हैं। 129 करोड़ रुपए के 2 प्रोजेक्ट पूरे होने को हैं।

बड़े शहरों में ओलंपिक रेडी सिटी बनाने की हिस्से के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स के आयोजन के लिए अहमदाबाद तथा सूरत मेट्रो विस्तार सहित गुजरात मेट्रो रेल प्रोजेक्ट, स्वच्छ भारत मिशन (अर्बन) आदि के लिए शहरी विकास के बजट अंतर्गत प्रावधान किए गए हैं, जो शहरी क्षेत्र के नागरिकों की सुख-सुविधा के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य के शहरीकरण तथा आधुनिकीकरण को ध्यान में रखकर वर्ष 2023 में भारत की जी-20 देशों की अध्यक्षता में शहरों के विकास एवं आयोजन संबंधी अर्बन-20 बैठक के केवल गुजरात में ही अहमदाबाद शहर में आयोजित की गई थी, जहाँ जी-20 देशों के शहरों के प्रतिनिधियों ने इकट्ठा होकर शहरीकरण पर विचार-विमर्श किया था। गुजरात में हुआ शहरीकरण उसके आर्थिक विकास, औद्योगिक विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी तथा राज्य सरकार की पहलों का परिणाम है। इस प्रक्रिया ने ग्रामीण क्षेत्रों को व्यस्त शहरी केन्द्रों में परिवर्तित किया है और निवेश, व्यवसाय तथा स्थानांतरण करने वालों को आकर्षित किया है। शहरों का विकास राज्य में विभिन्न अवसरों को आकर्षित करता है और इसी कारण शहरी विकास का संचालन तथा सस्टेनेबल डेवलपमेंट सुनिश्चित करना नागरिकों की सुख-सुविधा एवं राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति में साणंद में 'वीरांजलि डायरो 2.5' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

वीरता, शौर्य और देशभक्ति के स्वर्णों के साथ अमर शहीदों की दी भावभीनी श्रद्धांजलि
वीर रस के ज्वार के बीच उपस्थित जनसमूह ने देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनका शहादत को वंदन किया

गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति में साणंद में 'वीरांजलि डायरो 2.5' कार्यक्रम भव्य और गौरवपूर्ण माहौल में आयोजित हुआ। वीरांजलि समिति और जीटीपीएल के संयुक्त वनकी वीरता और बलिदान को नमन तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में वीरता, शौर्य और अडिग देशप्रेम के भावों से ओतप्रोत डायरो की प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्र के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में लोकप्रिय कलाकार साईराम दवे, कीर्तिदान गडवी, मायाभाई आहिर, राजभा गडवी और अल्पा पटेल सहित कलावंतों ने वीरतापूर्ण बातों, बड़ा राम का नाम।)। राम का नाम तो हमें जीवन में शाश्वत यश और आनंद प्रदायक है। श्रीराम के स्वरूप में सभ्यता, विचारधारा, संस्कृति एवं समानता का उल्कट रूप समाहित है। राम नाम कि उल्कटता तो उनके स्वरूप से भी अधिक है (राम से बड़ा राम का नाम)। राम का नाम तो इतना औदार्य है कि वो पात्र और अपात्र के निर्णयों में नहीं उलझता। वो तो सदैव कल्याण का मार्ग चयनित करता है। मन

जनसमूह में देशप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का अद्भुत संचार किया। कार्यक्रम के दौरान शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु सहित अनेक अमर शहीदों की शहादत को याद करके वनकी वीरता और बलिदान को नमन किया गया। देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले इन महान वीरों द्वारा दिए गए बलिदान की गाथाओं ने उपस्थित लोगों में अपार गौरव और प्रेरणा का भाव जागृत किया। वीरता और शौर्य से ओतप्रोत गीतों, कथाओं और भावविभोर करने वाली रचनाओं के स्वर से सम्पूना साणंद देशभक्ति के उत्साह से गुंज उठा। वीर रस के ज्वार के बीच उपस्थित जनसमूह ने देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी शहादत को वंदन किया। यह कार्यक्रम देशप्रेम, राष्ट्रीय

गौरव और शहीदों के बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक स्मरणीय अवसर बन गया। इस अवसर पर राजस्थान के शहीद प्रतापसिंह जी के प्रपौत्र श्री शत्रुसत्यसिंह जी बारहट, कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोहवाडिया और डॉ. प्रद्युम्न वाजा, राज्य मंत्री सर्वश्री संजयसिंह महिडा, कमलेशभाई पटेल, दर्शनबेन वाघेला, रीवाबा जाडेजा, प्रवीणभाई माली, कौशिकभाई वेकरिया, जयसामभाई गामित, संगठन महामंत्री श्री रत्नाकरजी, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेकभाई शाह, वीरांजलि समिति के श्री प्रदीपसिंह वाघेला और श्री संजयभाई पटेल, पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्रसिंह चूडासमा और श्री प्रदीपसिंह जाडेजा, मुन्नाभाई बेरा और कई विधायकों सहित राज्य के अग्रणी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु सहित अनेक अमर शहीदों की शहादत को याद करके वनकी वीरता और बलिदान को नमन किया गया। देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले इन महान वीरों द्वारा दिए गए बलिदान की गाथाओं ने उपस्थित लोगों में अपार गौरव और प्रेरणा का भाव जागृत किया। वीरता और शौर्य से ओतप्रोत गीतों, कथाओं और भावविभोर करने वाली रचनाओं के स्वर से सम्पूना साणंद देशभक्ति के उत्साह से गुंज उठा। वीर रस के ज्वार के बीच उपस्थित जनसमूह ने देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी शहादत को वंदन किया। यह कार्यक्रम देशप्रेम, राष्ट्रीय

गौरव और शहीदों के बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक स्मरणीय अवसर बन गया। इस अवसर पर राजस्थान के शहीद प्रतापसिंह जी के प्रपौत्र श्री शत्रुसत्यसिंह जी बारहट, कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोहवाडिया और डॉ. प्रद्युम्न वाजा, राज्य मंत्री सर्वश्री संजयसिंह महिडा, कमलेशभाई पटेल, दर्शनबेन वाघेला, रीवाबा जाडेजा, प्रवीणभाई माली, कौशिकभाई वेकरिया, जयसामभाई गामित, संगठन महामंत्री श्री रत्नाकरजी, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेकभाई शाह, वीरांजलि समिति के श्री प्रदीपसिंह वाघेला और श्री संजयभाई पटेल, पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्रसिंह चूडासमा और श्री प्रदीपसिंह जाडेजा, मुन्नाभाई बेरा और कई विधायकों सहित राज्य के अग्रणी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

गौरव और शहीदों के बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक स्मरणीय अवसर बन गया। इस अवसर पर राजस्थान के शहीद प्रतापसिंह जी के प्रपौत्र श्री शत्रुसत्यसिंह जी बारहट, कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोहवाडिया और डॉ. प्रद्युम्न वाजा, राज्य मंत्री सर्वश्री संजयसिंह महिडा, कमलेशभाई पटेल, दर्शनबेन वाघेला, रीवाबा जाडेजा, प्रवीणभाई माली, कौशिकभाई वेकरिया, जयसामभाई गामित, संगठन महामंत्री श्री रत्नाकरजी, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेकभाई शाह, वीरांजलि समिति के श्री प्रदीपसिंह वाघेला और श्री संजयभाई पटेल, पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्रसिंह चूडासमा और श्री प्रदीपसिंह जाडेजा, मुन्नाभाई बेरा और कई विधायकों सहित राज्य के अग्रणी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

गौरव और शहीदों के बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक स्मरणीय अवसर बन गया। इस अवसर पर राजस्थान के शहीद प्रतापसिंह जी के प्रपौत्र श्री शत्रुसत्यसिंह जी बारहट, कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोहवाडिया और डॉ. प्रद्युम्न वाजा, राज्य मंत्री सर्वश्री संजयसिंह महिडा, कमलेशभाई पटेल, दर्शनबेन वाघेला, रीवाबा जाडेजा, प्रवीणभाई माली, कौशिकभाई वेकरिया, जयसामभाई गामित, संगठन महामंत्री श्री रत्नाकरजी, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेकभाई शाह, वीरांजलि समिति के श्री प्रदीपसिंह वाघेला और श्री संजयभाई पटेल, पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्रसिंह चूडासमा और श्री प्रदीपसिंह जाडेजा, मुन्नाभाई बेरा और कई विधायकों सहित राज्य के अग्रणी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।



बेचराजी-रणुज रेल खंड का ब्रॉडगेज कार्य पूर्ण, सीआरएस निरीक्षण हेतु प्रस्ताव प्रेषित, उत्तर गुजरात के विकास को मिलेगी नई गति



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अगस्त, 2025 को गुजरात दौरे के दौरान 1,400 करोड़ से अधिक लागत की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया था, जिसमें बेचराजी-रणुज रेल खंड भी शामिल था, जिसका ब्रॉडगेज में परिवर्तन कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 40 किलोमीटर लंबाई एवं 520 करोड़ की लागत से सम्पन्न इस परियोजना के माध्यम से उत्तर गुजरात को सुदृढ़ रेल संपर्क प्रदान किया गया है। यह परियोजना राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति तथा पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप विकसित की गई है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षित, तेज एवं निर्यात आवागमन सुनिश्चित होगा। बेचराजी-रणुज रेल खंड के अंतर्गत मध्यवर्ती प्रमुख स्टेशनों में खापेल एवं चापासमा शामिल हैं, जो महेशाणा एवं पाटण जिलों के महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। इस रेल लाइन का ब्रॉडगेज में परिवर्तन पूर्ण हो चुका है तथा यात्री रेल सेवाएं प्रारंभ होने पर इन क्षेत्रों के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी इलाकों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। विशेष रूप से स्थानीय निवासियों, विद्यार्थियों, नौकरिपेशा लोगों तथा छोटे व्यापारियों के लिए आवागमन अधिक सुगम, तेज एवं किफायती हो जाएगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों से बेचराजी मंदिर एवं वहां आयोजित मेला में दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालु इस रेल सुविधा से विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। यह परियोजना क्षेत्र के कृषि एवं लघु उद्योगों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। किसानों को अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, वहीं व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी। साथ ही, यह रेल खंड क्षेत्रीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगा।